To,
The Consultant (Judicial) Dated:- 13/May/2024
Hon'ble National Green Tribunal,
PB, New Delhi

Subject:- DC Udhampur is wasting HNGT's time by repeatedly presenting fake, false and fabricated reports.

Ref H'NGT Case no :- O A No:- 176/2023/Delhi, (P B) Dated :- 04/03/2023
Diary No :- 070110200339/2023, Dated :- 04/03/2023
Titled :- Rohit Padha V/s Union Territory of J&K & ors

Worthy of Praise Sir,

I had written a letter through e-mail to H'NGT on 17-3-24 with proofs and in that email I tried to say that the report submitted by DC Udhampur to H'NGT is fake and false. Now, today after 60 days, I am once again sending an email and this time again I am attaching Amar Ujala newspaper cuttings and social media viral videos with my email as a evidence . So that you also come to know the truth.

Sir... Recently, IPS (MH Chowk) was throwing its overflow dirty water directly into Holy River Devika, a video of which also went viral. Here the question arises whether the team of UEED engineers is cleaning river Devika or making it dirty? After this perhaps some people have also lodged an FIR against UEED engineers in the city police station, if everything is going well in this project then why are the public filing FIR against UEED engineers. (Copy Enclosed)

Sir... Let me tell you one more thing that an STP building has been constructed in the Green Zone by UEED and as per my knowledge it has been constructed without the permission of H'NGT. If UEED has permission to build in the green zone then show it to the public.

Sir... **Now H'NGT has to decide who is right and who is wrong.**

Please direct the Chief Secretary of J&K to visit Udhampur along with the Housing Secretary, Rural Development & Panchayat Raj Secretary, Revenue Secretary, Jal Shakti Secretary and H&ME Secretary and ask them to prepare a factual report after meeting the complainant.

Thanking you
Yours Faithfully

Rohit Padha
Email:- rohitpadha1978@gmail.com
Off:-87/7,Dhar-Road,Shaktinagar, Garrian Talab, Udhampur, Mob: 9149872987.

Copy :-
1. The Worthy Chief Secretary of J&K
2. The Chairman, Pollution Control Committee, J&K
3. The Commissioner Secretary HUDD, J&K
4. The Divisional Officer, JKPCC.

Edit with WPS Office

एमएच चौक में देविका में छोड़ा जा रहा आईपीएस का गंदा पानी, लोगों में रोष

कहा-तत्काल प्रभाव से लापरवाही के लिए सख्त कार्रवाई करे प्रशासन

संवाद न्यूज एजेंसी

उधमपुर। एक तरफ जहां देविका नदी की पवित्रता को बनाए रखने और इसे स्वच्छ व प्रदूषण मुक्त करने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं वहीं देविका परियोजना के तहत शहर के एमएच चौक के पास देविका किनारे बनाए गए सीवरेज के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के इंटरग्रेडेड पंपिंग सिस्टम (आईपीएस) का गंदा पानी ही इसमें छोड़कर इसे दूषित किया जा रहा है।

शुक्रवार सुबह भी इस आईपीएस से पाइपें लगाकर इसके गंदे पानी को सीधा देविका नदी में छोड़ा गया। इसपर जब कुछ शहरवासियों की नजर पड़ी तो उन्होंने रोष जताया। जिला प्रशासन से मांग की कि तत्काल प्रभाव से विभाग की इस लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाए। स्थानीय निवासी अरुण शर्मा, महेश बनाधिया, सुभाष, अमन व अन्य ने कहा कि यह बेहद चिंताजनक है कि जिस देविका को गंदगी मुक्त करने के लिए 186 करोड़ की देविका परियोजना तैयार की गई और इसी के तहत शहर में सीवरेज का प्रोजेक्ट लगाया गया।

आईपीएस से पाइपें डालकर देविका में बहाया जा रहा गंदा पानी। संवाद

अब यही सीवरेज की गंदगी को पाइपों के माध्यम से आईपीएस में एकत्रित कर सीधा देविका नदी में बहा रहे हैं। इस पर सरकार को संज्ञान लेना चाहिए। क्योंकि एक तरफ शहर में देविका को स्वच्छ रखने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं और इसके तहत पीसीबी के आदेश पर प्रशासन ने शहर के भीतर चलने वाले कई सर्विस स्टेशन को मात्र इसलिए बंद कर दिया है ताकि इनका गंदा पानी देविका में जाकर इसे प्रदूषित न कर पाएं। लेकिन वहां दूसरी ओर अब आईपीएस के गंदे पानी को सीधे देविका नदी में छोड़ने पर प्रशासन की चुप्पी निंदनीय है। इसलिए सरकार से उनकी अपील है कि इस मामले का संज्ञान लेकर दोषियों पर कार्रवाई की जाए।

इस बाबत पूछने पर एसटीपी के कर्मियों का कहना था कि आईपीएस और आईपीएस की सप्लाई पाइप टूटने से यह ओवरफ्लो हो गया है, इसलिए इसमें भरे गंदे पानी को बाहर निकालने के लिए पाइप लगाकर पानी को देविका में छोड़ा गया है। उधर, इस मामले पर जानकारी के लिए कई बार यूईडी के एक्सईएन विजय सिंह मनहास से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

Edit with WPS Office

चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने जांच कर उक्त वाहन से सात मवेशियों को मुक्त करवा कर पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहन को सीज कर मामला दर्ज किया है। संवाद

निर्माण स्थल की जांच में पाया गया कि देविका कनारे मौजूद प्लॉट में अवैध निर्माण कार्य जारी है। मशीन के साथ नियमों और आसपास मौजूद रिहायशी एवं कामर्शियल इमारतों की सुरक्षा को ताक पर

चेतावनी दी। इसके अलावा प्रशासन ओर से देविका नदी से लगते क्षेत्र को ग्रिन जोन घोषित किया गया है। जिसके तहत देविका किनारे किसी भी तरह के निर्माण कार्य की अनुमति नहीं है। सीईओ नितिन

दिया गया है। वहीं इस बारे में था प्रभारी रघुवीर सिंह चौधरी कहना था कि अगर कोई शिकाय दर्ज करवाता है तो कानूनी कार्रव की जाएगी।

एसटीपी प्लांट की गंदगी देविका में बहाने पर एक्सईएन, प्रभारी पर एफआईआर

उधमपुर। शहर के एमएच चौक के नजदीक बनाए गए सीवरेज के एसटीपी प्लांट में जमा गंदगी को सीधा देविका में बहाने पर कुछ युवाओं ने यूईईडी विभाग के एक्सईएन और एसटीपी प्लांट के प्रभारी के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज करवाई है। समाज सेवक अमन शर्मा और उनके सहयोगियों ने बताया कि यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है कि देविका को स्वच्छ रखने के लिए प्रयास जारी हैं, लेकिन यूईईडी विभाग स्वयं गंदगी डाल रहा है। शुक्रवार भी एक ऐसा मामला देखने को मिला है कि जिसमें एसटीपी के आईपीएस में जमा गंदगी को बिना ट्रीटमेंट के पाइप के जरिये देविका में डाला जा रहा था। 186 करोड़ रुपये लागत की देविका परियोजना को इसलिए बनाया गया था ताकि घरों की गंदगी को नदी में जाने से रोका जा सके। लेकिन, अब खुद इस योजना के तहत बनाए गए एसटीपी प्लांट की गंदगी को नदी में बहाया जा रहा है। यह गैर कानूनी है और यह पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के दिशानिर्देश और नियमों की भी उल्लंघना है। इसलिए ऐसा करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने कहा कि इसी को लेकर आज हमने पुलिस स्टेशन उधमपुर में यूईईडी विभाग के एक्सईएन और उक्त एसटीपी के प्रभारी के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज करवाई है। संवाद

यूईईडी के खिलाफ दर्ज एफआईआर की कॉपी दिखाते युवक। संवाद

Edit with WPS Office